ज्ञानदीप

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे –411 001.
(आई. एस. ओ.: 9001-2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of India
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2000 Certified Centralized Training Institute)

संस्थान – डी ओ टी (020) 26126816, 261283436 रेलवे : 62731
छात्रावास – डी ओ टी (020) 26130579 रेलवे : 62101, 62158
फॅक्स : (020) 26128677 रेलवे : 55860
ई–मेल : mail@iricen.gov.in
वेबसाईट : www.iricen.gov.in

वर्ष - 24 | अंक - 92 | जनवरी – जून - 2020

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन — To Beam as Beam as a Beacon of Knowledge

इस अंक में

1. हमारे नए महानिदेशक
2. श्री राजीव कुमार एवं श्री अजय गोयल, निदेशक इरिसेन का स्वागत/विदाई
3. मुख्य प्रशासनिक अधिकारियों का सेमिनार
4. मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार
5. संस्थान में गणतंत्र दिवस का आयोजन
6. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 146 वीं बैठक
7. आईपीडब्ल्यूई (आई) तकनीकी सेमिनार
8. शहीद दिवस समारोह
9. स्वागत / विदाई
10. रेल परिसर स्वच्छता कार्य

1. हमारे नए महानिदेशक



1982 बैच के भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारी श्री संतोष कुमार अग्रवाल ने दिनांक 17 फरवरी, 2020 से संस्थान के महानिदेशक का पदभार ग्रहण कर लिया है।

आपने विभिन्न रेलवे झोन, रेलवे बोर्ड आदि में अति महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दी हैं। इरिसेन में आने से पूर्व आप अपर महाप्रबंधक/उत्तर पश्चिम रेलवे के पद पर कार्यरत थे। आपने प्रधान मुख्य इंजीनियर/मध्य रेल, मंडल रेल प्रबंधक, रांची एवं झांसी, कार्यकारी निदेशक (पुल एवं संरचना)/रेलवे बोर्ड, कार्यकारी निदेशक/आरवीएनएल, कार्यकारी निदेशक (ट्रैक प्लानिंग)/रेलवे बोर्ड, कार्यकारी निदेशक, (L & A) /रेलवे बोर्ड, इत्यादि महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। आपने वर्ष 1986 में रेल सेवा में कैरियर की शुरुआत सहायक मंडल इंजीनियर/धनबाद, पूर्व मध्य रेल से की। इरिसेन परिवार आपका हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत करता है।

2. श्री राजीव कुमार, निदेशक का स्वागत



1985 बैच के भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारी श्री राजीव कुमार ने दिनांक 15 अप्रैल, 2020 से संस्थान के निदेशक का पदभार ग्रहण कर लिया है। इसके पूर्व आप मुख्य प्रोजेक्ट निदेशक (स्टेशन डेव्लपमेंट) के पद पर पश्चिम रेलवे में कार्यरत थे।

आपने बिहार इंजीनियरिंग कॉलेज पटना वर्तमान में (NIT पटना) से BSC इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की है। आप टॉपर एवं प्रथम विशेष योग्यता से सम्मानित हैं।

संरक्षक
संतोष कुमार अग्रवाल
महानिदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
जी.एस.यादव
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
प्राध्यापक, पुल

संपादक
राजू पाल
वरिष्ठ अनुवादक
सहयोग – उदय ताजणे, व.अनुवादक

आपने मंडल इंजी. कटिहार, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) लामडिंग एवं मालीगाव तथा रेल व्हील फैक्टरी, बैंगलूरु में उप मुख्य इंजीनियर एवं मुख्य इंजीनियर पर कार्य किया है। साथ ही वर्कशाप प्रोजेक्ट, पटना के लिए मुख्य इंजीनियर (निर्माण), के रूप में पहिया कारखाना, छपरा एवं कैरज रिपेयर वर्कशॉप बिहार/हरनौत के निर्माण में काम किया है। मुख्य इंजीनियर(प्रोक्योरमेंट), पूर्व रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे एवं पश्चिम रेलवे के इत्यादि महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। आपने रेल सेवा में कैरियर की शुरुआत सहायक इंजीनियर/तिनसुकिया, पूर्वोत्तर सीमांत रेल से की। इरिसेन परिवार आपका हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत करता है।

2. श्री अजय गोयल, निदेशक/इरिसेन की विदाई



संस्थान के निदेशक श्री अजय गोयल का स्थानांतरण प्रधान मुख्य इंजीनियर, चर्चगेट, पश्चिम रेल, मुंबई के पद पर हुआ है। आप दिनांक 20 फरवरी, 2020 को संस्थान के कार्यभार से मुक्त हुए। संस्थान आपके सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

3. मुख्य प्रशासनिक अधिकारियों का सेमिनार

दिनांक 06 जनवरी, 2020 को मुख्य प्रशासनिक अधिकारियों का सेमिनार आयोजित किया गया। माननीय श्री विश्वेश चौबे, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड ने इस सेमिनार में अपनी उपस्थिति दर्शायी एवं प्रतिभागियों को संबोधित किया। विभिन्न क्षेत्रीय रेलों के मुख्य प्रशा. अधि. के अलावा कार्यकारी निदे./कार्य, कार्य. निदे./सि.इंजी.(सा.),कार्यकारी निदे./ पुल एवं संरचना, कार्य.निदे./कार्य/आरडीएसओ ने सेमिनार में हिस्सा लिया। विभिन्न कार्यसूची मदों पर चर्चा की गई एवं गेज परिवर्तन, महत्वपूर्ण परियोजनाएं, बडे.यार्डों की नॉन इंटरलॉकिंग की योजना, आरओबी के दोहरीकरण का कार्य, रेलों के अनलोडिंग, प्राक्कलन की मंजूरी, निधि का पुनर्विनियोग, प्रशासनिक शक्तियां, निविदाओं, तकनीकी मामलों, भूमि अधिग्रहण, प्रणाली में सुधार एवं विविध मदों पर चर्चा की गई। इस सेमिनार में निर्माण से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा कर उन पर निर्णय लिए गए। सेमिनार की सार्थकता को देखते हुए इसकी बहुत सराहना की गई।



4. मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार



दिनांक 13 एवं 14, फरवरी, 2020 को मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार में सभी क्षेत्रीय रेलों के मुख्य पुल इंजी. के अलावा कार्य.निदे./स्ट्रक्चर, आरडीएसओ,का.निदे. (स्ट्रक्चर) ने हिस्सा लिया। रेलवे बोर्ड के आदेशानुसार उन्होंने पिछले सेमिनार की सिफारिशों पर की गई कार्रवाई पर चर्चा की। सेमिनार के दौरान निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण भी दिए गए :– श्री आर.के.गोयल, मुख्य इंजी. पुल / म.रे. द्वारा ''असेसमेंट ऑफ एक्जिसटिंग ब्रिजेस फॉर हायर स्पीड एंड हायर लोडिंग'', श्री वी.पी.सिंह, मुख्य पुल इंजी./उ.रे. द्वारा ''लांचिंग ऑफ ब्रिज नं. 16 ऑन पठानकोट जम्मू सेक्शन'', श्री संजय बनर्जी, मुख्य इंजी./ ब्रिज पुनर्स्थापन / पूर्व रेल द्वारा ''ब्रिज री–गर्डरिंग''। इस सेमिनार में कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर निर्णय लिए गए।

5. संस्थान में गणतंत्र दिवस का आयोजन

संस्थान में दिनांक 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया। श्री अजय गोयल, निदेशक/इरिसेन ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के उपरांत निदेशक महोदय ने उपस्थित सदस्यों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी।





उसके पश्चात खेल प्रतिस्पर्धा का कार्यक्रम रखा गया। खेलकूद के कार्यक्रम में रस्साकसी, लेमन स्पून, बच्चों के लिए नई–नई मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन सभी कार्यक्रमों के आयोजन में खिलाड़ियों के साथ दर्शकों का भी भरपूर मनोरंजन हुआ। सभी कार्यक्रमों में निदेशक महोदय, संकाय सदस्य गण, प्रशिक्षु अधिकारी गण, परिवीक्षार्थियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

6. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 146 वीं बैठक का आयोजन

संस्थान में 30 जनवरी, 2020 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 146 वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में निदेशक महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि राजभाषा का कार्य संस्थान में संतोषजनक है एवं अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर रहने के निर्देश दिए। हिंदी का महत्व असाधारण है, विश्व की प्रमुख भाषाओं में हिंदी का स्थान तीसरा है, सरकारी कामकाज में इसका उपयोग अधिक से अधिक किया जाना चाहिए। मौलिक तकनीकी पुस्तक लेखन योजना में भी संस्थान को हिस्सा लेना चाहिए।



उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं बैठक के उपाध्यक्ष श्री जी.एस.यादव ने राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में सभी का स्वागत किया। अपने संबोधन में राजभाषा के महत्व को बताया कि संस्थान में ई–ऑफिस में कार्य प्रारंभ हो गया है और छुट्टी आवेदन पत्र की सॉफ्ट कॉपी भी सभी को उपलब्ध कराई गई है, जिससे सभी अपना आवेदन ई – ऑफिस के माध्यम से प्रस्तुत कर सकें। ग्रंथालय में उपलब्ध हिंदी पुस्तकों का लाभ लें। बैठक में राजभाषा की प्रगति से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

7. आईपीडब्ल्यूई (आई) तकनीकी सेमिनार

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 28 एवं 29 फरवरी, 2020 को गोवा में ''ऑप्टिमाइजिंग एंड इम्प्रुविंग आऊटपुट ऑफ ट्रैक मशीन ड्यूरिंग ट्रैफिक ब्लॉक'' एवं ''एस्लरेटेड कंन्सट्रक्शन ऑफ डबलिंग प्रोजेक्ट'' पर आयोजित आईपीडब्ल्यूई(आई) सेमिनार में इरिसेन ने सक्रियता से हिस्सा लिया।



तकनीकी प्रदर्शनी में संस्थान द्वारा प्रकाशित विभिन्न तकनीकी पुस्तकें, फिल्में एवं ई–लर्निंग मॉडयूल को दिखाने के लिए इरिसेन का स्टॉल लगाया गया था। सेमिनार में श्री अजय गोयल, निदेशक / इरिसेन ने इस अवसर पर अपना संबोधन दिया इसके अतिरिक्त इरिसेन के संकाय सदस्य, श्री अनिल चौधरी, व.प्राध्यापक द्वारा 'प्रोपर मेथड ऑफ करेक्टिंग लार्ज अलाइनमेंट डिफेक्ट इन टेन्जेंट ट्रैक रिक्लायरिंग मल्टिपल राऊंड ऑफ टैम्पिंग, श्री राजेश कुमार शेखावत, व.प्राध्यापक प्रोजेक्ट द्वारा ' सजेस्टेड मेश्जर्स फॉर एस्लरेटेड कंन्सट्रक्शन ऑफ डबलिंग प्रोजेक्ट इन इंडियन रेलवे' श्री सी.एम, गुप्ता, वरिष्ठ प्राध्यापक, पुल द्वारा 'प्लानिंग ऑफ डबलिंग प्राजेक्ट फॉर एक्सलरेटेड कंन्सट्रक्शन', पर पेपर भी प्रस्तुत किए गए। इसके अतिरिक्त इरिसेन द्वारा प्रकाशित Handbook On Track Machines - for P.Way Officers and supervisors का विमोचन सेमिनार में सदस्य इंजीनियरिंग रेलवे बोर्ड द्वारा किया गया।

8. शहीद दिवस समारोह

संस्थान में दिनांक 30.01.2020 को शहीद दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी अधिकारी गण एवं कर्मचारी गण ने एकत्रित होकर दो मिनट का मौन रखा एवं हमारे देश के शहीद वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत की आजादी, कल्याण एवं प्रगति के लिए अपने प्राण न्यौच्छावर किए उन स्वतंत्रता सेनानियों को हमारा शत–शत नमन है।



9. स्वागत / विदाई

श्री बी.के.कुशवाहा, प्राध्यापक/प्रोक्योरमेंट ने दिनांक 24 जुलाई, 2020 को इरिसेन में कार्यभार ग्रहण कर लिया है । इरिसेन में आने से पूर्व आप उप मुख्य इंजीनियर(डिजाईन) पश्चिम रेलवे के पद पर कार्यरत थे। श्री बी.के.कुशवाहा, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग सेवा के 2002 बैच के अधिकारी हैं। आपने पूर्व में उप मुख्य परियोजना प्रबंधक, मुंबई रेल विकास निगम में प्रतिनियुक्ति पर एवं मुंबई मंडल में सहायक मंडल इंजीनियर / मंडल इंजीनियर तथा कार्यकारी इंजीनियर (डिजाईन)/सहायक मंडल इंजीनियर (डिजाईन) एवं सहायक इंजीनियर (पुल पुनर्निर्माण) इत्यादि विभिन्न पदों पर कार्य किया है। आपने रेल सेवा में कैरियर की शुरूआत मुंबई ट्रांस्पोर्ट प्रोजेक्ट में कार्यकारी निरीक्षक के पद से प्रारंभ की एवं विभिन्न प्रोजेक्ट में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। संस्थान आपका इरिसेन में हार्दिक स्वागत करता है।



श्री अनिल मिसाल, सह प्राध्यापक / वित्त एवं लेखा ने 7 अगस्त 2020 को इरिसेन में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। आप पुणे मंडल एवं इरिसेन दोनों कार्यालयों का कार्यभार देख रहे हैं। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्रीमती शर्मिला मान ने दिनांक 24 जून, 2020 को इरिसेन में वरिष्ठ अनुभाग अधिकारी का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप लेखा विभाग, निर्माण कार्यालय, पुणे में कार्यरत थी। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



संस्थान में कार्यरत श्री के.के. आयजैक, कार्यालय अधीक्षक/ स्थापना की सेवानिवृत्ति दिनांक 31 जनवरी, 2020 को हुई। सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है और ढेर सारी शुभकामनाएं देता है।



10. रेल परिसर स्वच्छता कार्य



संस्थान में कार्यरत श्री संजय भोसले,खलासी ने रेल परिसर में पेड़–पौधे लगाकर रेल परिसर को स्वच्छ एवं पर्यावरण पोषक बनाने का सराहनीय कार्य किया है। पुणे मंडल द्वारा रेल परिसर के निरीक्षण के दौरान श्री संजय द्वारा इस किए गए सराहनीय कार्य के लिए उन्हें मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संजय आठवले ने दिनांक 14 नंवबर, 2020 को ₹ 500/- नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इरिसेन परिवार की ओर से बहुत–बहुत बधाई।

''जब तक जीना, तब तक सीखना'' – अनुभव ही जगत में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है। – स्वामी विवेकानंद

जी. एस. यादव, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल–2 भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे–1 द्वारा केवल सीमित नि:शुल्क वितरण हेतु प्रकाशित ।